केंद्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़

कक्षा: ग्यारहवीं

विषय: हिंदी

अपठित काव्यांश -1

1. (ग) सर्वसहा

2. (क) मानवीयता से भरपूर आदमी

3. (घ) गंदगी बरसाने वाले थैले से

4. (ख) प्राण प्रदान करने वाला

5. (ग) किसी को प्यार करने का समय नहीं

अपठित काव्यांश -2

1. क) कवि हमें अपने पूर्वजों के पद चिह्नों पर चलने का परामर्श देता है|

2. घ) प्राचीन बातें ही भली है यह विचार अलीक है

3. ख) हमारा अनुराग देश के प्रति केवल मौखिक नहीं होकर हृदय में भी देश प्रेम की भावना हो |

4. क) सुख-शांतिमय उद्देश्य की

5. ग) दोनों विकल्प सही है |

अपठित काव्यांश -3

1. ख) आँधियों का रुख मोड़ सकते हैं |

2. ग) परिश्रम से मिट्टी में भी सोने के फूल खिला देना |

3. क) आसमान के तारे तोड़ना

4. घ) विचारों की नई गंगा बहाने का

5. ग) भारत की संस्कृति को

अपठित काव्यांश - 4

1. ख) शस्य श्यामला धरती को

2. ग) मनोहारी प्राकृतिक छटा के कारण

3. ग) दोनों विकल्प सही हैं |

4. घ) तीनों विकल्प सही हैं |

5.क) हमारी मातृभूमि ईश्वर की साक्षात प्रतिमूर्ति है |

अपठित काव्यांश - 5

1. घ) सभी विकल्प सही हैं |

2. ग) दोनों विकल्प सही हैं |

3. घ) केवल “क” और “ख” विकल्प सही हैं |

4.ख) बाहर आजादी भरा जीवन है |

5. ग) स्वाधीनता के महत्व को समझाया गया है |

अपठित काव्यांश - 6

(क) 1 युवाओं का

(ख) 1 रूढ़ियों के खिलाफ संघर्ष करना

(ग) 4 सभी विकल्प सही हैं

(घ) 4 जलज

(ड) 1 युवा शक्ति जान सामान्य में उत्साह का संचार कर देती है

अपठित काव्यांश - 7

क) 1 जीवन मे बहुत आपदाएं हैं

ख) 4 सभी विकल्प सही हैं

ग) 3 चंद्रमा का

घ) 1 जीवन में समय एक-सा नहीं रहता है। अच्छे-बुरे समय के साथ-साथ सुख-दुख आते-जाते रहते हैं।

ड) 4 पुनरुक्तिप्रकाश

अपठित काव्यांश - 8

क) 4 सभी विकल्प सही हैं

ख) 1 कवि ने हमेशा चुनौतियों से पूर्ण कठिन मार्ग चुना है। वह सुख-सुविधा पूर्ण जीवन नहीं जीना चाहता।

ग) 1 समय की बाधाएँ।

घ) 1 मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल-विद्युत नर्तन।

ड) 2 बिजली

अपठित काव्यांश - 9

क) 1. संसार में संसाधनों का वितरण समान हो।

ख) 1. अपने अनुकूल समय को तेजस्वी जीतकर छीन लेते हैं।

ग) 1. न्यायोचित अधिकार के लिए मनुष्य को संघर्ष करना पड़ता है।

घ) 1. कृष्ण युधिष्ठिर को युद्ध के लिए इसलिए प्रेरित कर रहे हैं ताकि वे अपने हक को पा सकें, अपने प्रति अन्याय को खत्म कर सकें।

ड) 2. तलवार का

अपठित काव्यांश - 10

(क) 3. संध्या काल का

(ख) 1. संध्या रूपी परी जैसी नायिका

(ग) 1. संध्या की सखी नीरवता है,

(घ) 3. पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

(ङ) 3. बादलों से घिरा हुआ

अपठित गद्यांश -1

क) 4 उपर्युक्त सभी

ख) 1 दबाव को ताकत बना लेता है

ग) 4 उपरोक्त सभी

घ) 2 मनुष्य के दृष्टिकोण पर

ङ) 1 नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी होने देता है

च) 2 एक पुस्तक

छ) 2 मन

ज) 2 दबाव में सकारात्मक होकर

झ) 3 सोच की

ञ) 3 विशेषण

अपठित गद्यांश -2

I-(ग) परिश्रम का महत्व

II-(घ) पुरुषार्थ

III-(घ) परिश्रम से

IV-(क) परिश्रम और दृढसंकल्प

V-(ख) प्रतिस्पर्धी के रूप में

VI-(ग) विद्यार्थी जीवन को

VII-(क) हरित क्रांति

VIII-(घ) सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं

IX-(ख) त्रासदी

X-(ग) परि

अपठित गद्यांश -3

I ख. श्रव्य - दृश्य माध्यम

II ख. टेलीविजन

III ख. दर्पण

IV क. स

V क. इक

VI ख. टेलीविजन को

VII घ.उपर्युक्त सभी

VIII ग.सुनने व देखने के कारण

IX ख.अज्ञात स्फूर्ति और उल्लास का अनुभव करता है

X ग.टेलीविजन का महत्व

अपठित गद्यांश -4

(1) ख) युवा वर्ग अपनी आकांक्षाओं और योग्यताओं के कारण बहुत आगे निकल गया है |

(2) ग) स्वतंत्रता में स्वाभिमान तथा नम्रता दोनों का संयोग जरूरी है |

(3) क) सच्ची आत्मा विपरीत परिस्थितियों में स्वाभिमान तथा नम्रता को बनाए रखती है |

(4) ख) नम्रता से अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है कि हमें दूसरों का मुँह देखना पड़ता है |

(5) ख) हमें अपनों से बड़ों का सम्मान करना चाहिए तथा बराबर वालों के साथ कोमलता का व्यवहार करना चाहिए |

(6) ग) स्वतंत्रता में "ता" तथा दब्बूपन में "पन" |

(7) ख) नम्रता ही स्वतंत्रता की जननी है |

(8) ग) मनुष्य का जीवन उसके अपने हाथों में है |

(9) ग) स्वाभिमान और नम्रता दोनों

(10) क) लोग भ्रमवश अहंकार को स्वतंत्रता की जननी मान लेते हैं |

अपठित गद्यांश -5

उत्तर 1 (क) (iv) आनंद और उत्साह

(ख) (ii) जो कर्म भावना से उत्साह दिखाते हैं

(ग) (iv) आलस्य

(घ) (ii) विशेषण उपवाक्य

(ङ) (iii) इत, ता

(च) (i) सच्चे वीर

(छ) (iii) कष्ट को दूर करने का संकल्प

(ज) (i) कामचोरी की

(झ) (iii) आलसी

(ञ) (iv) उत्साही व्यक्ति

अपठित गद्यांश -6

उत्तर 3:- (क) (ii) क्योंकि जो संस्कार पड़ जाते हैं, जीवन भर वही संस्कार अमिट रहते हैं।

(ख) (i) तत्पुरुष

(ग)(iv) फूल, फल, सौरभ देने वाला

(घ) (iv)उपर्युक्त सभी

(ङ) (ii) विद्यार्थी जीवन

(च) (iv) उपर्युक्त सभी

(छ) (i) पल्लव

(ज) (iv) सौरभ

(झ) (ii) बचपन के संस्कार अमिट रहते हैं

(ञ) (i) प्र

अपठित गद्यांश -7

उत्तर 4 (क) (ii) जूझने की इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास डगमगाने के कारण।

(ख) (i) दोनों की स्थिति सदा नहीं रहती ।

(ग) (iv) गिरकर भी साहसपूर्वक उठने का सामर्थ्य ।

(घ) (iv) उत्साहपूर्वक आगे बढ़ने की प्रेरणा ।

(ङ) (iii) सकारात्मक

(च) (iii) जो इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और सही दिशा को कसकर थामे रहता है ।

(छ) (i) चिरकालीन

(ज) (iv) भाववाचक संज्ञा

(झ) (iii) मूर्ख

(ञ) (i) क्षमता

अपठित गद्यांश -8

उत्तर 5 :- (क) (ii) भिक्षाटन के लिए

(ख) (iii) वह स्वयं को श्रेष्ठ समझता था

(ग) (i) भिक्षाटन करने वाला

(घ) (ii) कर्म से

(ङ) (i) संज्ञा

(च)(iv) मनन करना

(छ) (i) निर्दोष

(ज) (iii) ऋण विनम्रतापूर्वक लौटाया जाता है।

(झ) (iii)भगवान बुद्ध ने आग्निक से

(ञ) (iv)विशेषण

अपठित गद्यांश -9

उत्तर 9 :- 1.(आ) विज्ञान ने सभी क्षेत्रों में मानव को प्रभावित किया है।

2.(इ) विज्ञान के

3.(ई) भ्रमपूर्ण रूढिवादी विचार

4.(इ) विज्ञान के उत्तरोत्तर विभिन्न दिशाओं में उन्मुख होने के कारण

5.(इ) यातायात और संचार के साधनों का विकास

6.(आ) अंतरिक्ष में

7.(इ) उपर्युक्त दोनों

8.(इ) रचनात्मक

9.(ई) चिकित्सा और शिक्षा की सुविधाएँ

10.(आ) वैज्ञानिक चिंतन और मानव

अपठित गद्यांश -10

उत्तर -10

1.(अ) हिंदी का भविष्य उसकी गति का स्वाभाविक परिणाम होना चाहिए

2.(आ) अहिंदी भाषी महापुरुषों ने

3. (ई) ये सभी सही है

4.(अ) मानव एकता के पथ पर पड़ा कोई चरण चिह्न नहीं मिटा है।

5.(अ) चित्रमयी

6. (इ) साहित्य को जानना

7. (ई) अथर्ववेद में

8. (अ) हिंदी अपनी सहयोगिनी भाषाओं का मार्ग अवरुद्ध नहीं कर सकती

9. (अ) अ) हिंदी की लिपि का स्वरूप

10.(आ)'अ' उपसर्ग

पठित खंड आरोह भाग 1

नमक का दारोगा - मुंशी प्रेमचंद

पठित गद्यांश आधारित बहुविकल्पी प्रश्न उत्तर

निम्नलिखित गद्यांश/ गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1

1. “नमक का दारोगा” पाठ के लेखक का क्या नाम है- मुंशी प्रेमचंद

2. “नमक का दारोगा” पाठ में “ईश्वर-प्रदत्त वस्तु” किसे बताया गया है ? नमक को

3. नमक विभाग में दारोगा के पद के लिए कौन ललचाते थे- वकील

4. “नमक का दारोगा” पटवारीगिरी और नमक के विभाग की नौकरी में लोगों का आकर्षण क्यों था ?

दोनों विभागों में भ्रष्टाचार और घूस लेने की प्रवृत्ति अधिक होने के कारण ऊपर की कमाई बहुत थी |

5. किस वस्तु का व्यवहार करना निषेध हो गया था - नमक

2

1. लेखक के पिता ने लेखक को घर की स्थिति के बारे में क्या बताया ? उपर्युक्त दोनों विकल्प उचित है |

2. लेखक के पिता ने लेखक को नौकरी के विषय में क्या सीख दी ? उपर्युक्त सभी विकल्प उचित है |

3. लेखक के पिता की जन्म भर की कमाई क्या थी जो उन्होंने लेखक को दी ? लेखक को नौकरी के विषय में दी गई सीख |

4. नमक का दारोगा पद को “पीर का मज़ार” कहने में क्या व्यंग्य निहित है? विकल्प 1 व 2 ही उपयुक्त हैं |

5. मासिक वेतन को “पूर्णमासी का चाँद” क्यों कहा गया है ? उपर्युक्त दोनों विकल्प उचित है |

3

1. “नमक का दारोगा” पाठ हिन्दी साहित्य की लेखन की विधा की दृष्टि से है- कहानी

2. “नमक का दारोगा” अलोपीदीन का न्याय और नीति पर विश्वास क्यों नहीं था ? उपर्युक्त दोनों विकल्प उपयुक्त हैं |

3. “नमक का दारोगा” में गाड़ियों के पकडे जाने पर अलोपीदीन की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों ? पहले दोनों विकल्प सही हैं|

4. पंडित अलोपीदीन ने मुंशी बंशीधर को किस प्रकार प्रभावित करने का प्रयत्न किया ? पहले दोनों विकल्प उचित हैं

5. प्रस्तुत गद्यांश जिस पाठ से लिया गया है उसके पाठ व लेखक के सम्बन्ध में सही युग्म -नमक का दारोगा- प्रेमचंद

4.

1. गद्यांश के पाठ के लेखक का नाम क्या है ? प्रेमचंद्र

2. नमक की कालाबाजारी का अभियुक्त कौन था - अलोपदीन

3. दुनिया सोती थी मगर दुनिया _____ जागती थी - जीभ

4. इनमे से कौनसे लोग गरदन नहीं चला रह थे ? रेल में टिकट लेकर सफर करने वाले बाबू लोग

5. . नमक विभाग में किसे दरोगा की नौकरी मिली - वंशीधर को

5.

1. नमक का दारोगा" में कचहरी या अदालत को अगाध वन क्यों कहा गया है ?

इसमें जगह-जगह दांत गड़ाए स्वार्थी और हिंसक जैसे कर्मचारी घात लगाए बैठे रहते थे |

2. अलोपीदीन के व्यक्तित्व के विषय में गलत कथन का चयन कीजिए-

वे ईमानदारी और अपने कार्य के प्रति निष्ठा को सर्वशक्तिमान मानते हैं तथा रिश्वत देने अथवा लेने में विश्वास नहीं करते हैं |

3 . लोगों के विस्मित होने का क्या कारण था? अलोपीदीन की गिरफ्तारी

3. स्पष्ट भाषण के अतिरिक्त कोई अन्य शस्त्र किसके पास नहीं था ? वंशीधर के पास

4. अदालत में किस-किस के बीच संग्राम शुरू हुआ? धर्म और धन के बीच

पाठ से संबंधित प्रश्न उत्तर

1. "नमक का दारोगा" पाठ के लेखक के विषय में अनुचित कथन का चयन कीजिए-

इनकी रचनाओं में कल्पना और सपनों की दुनिया का पुट मिलता है |

2. किसका लाखों का लेन देन था - अलोपदीन का

3. अलोपदीन को दरोगा को किस बल पर खरीद लेने का विश्वास था - रिश्वत

4. न्याय और नीति सब लक्ष्मी के खिलौने है - यह कथन किसका था - अलोपदीन

5. अलोपदीन क्या देखकर मूर्छित होकर गिर पड़े - हथकड़ियाँ

6. 'चालीस हज़ार नहीं , चालीस लाख भी नहीं '- यह कथन किस का है - वंशीधर का

7. "नमक का दारोगा"के अनुसार "घर में अँधेरा, मस्जिद में दीया अवश्य जलाएँगे" इस कथन में क्या व्यंग्य किया गया है ? - उपर्युक्त दोनों विकल्प उपयुक्त हैं |

8. "नमक का दारोगा" पाठ में 'परमात्मा से यही प्रार्थना है कि वह आपको सदैव वही नदी किनारे वाला बेमुरौवत, उद्दंड, किन्तु धर्मनिष्ठ दारोगा बनाए रखे'- यह कथन किसका, किसके प्रति है? - पंडित अलोपीदीन का मुंशी वंशीधर के प्रति

9. वंशीधर के पिता के व्यक्तित्व के विषय में अनुचित कथन का चयन कीजिए- वे अपने बेटे की ईमानदारी और साहस की सराहना करते हैं |

10. "नमक का दारोगा" पाठ के विषय में अनुचित कथन का चयन कीजिए- यह पाठ धर्म के ऊपर धन की जीत को प्रतिष्ठित करता है |

11. "नमक का दारोगा" वंशीधर के पिताजी ने उन्हें क्या शिक्षाएँ दी??- उपर्युक्त सभी

12. “गरज़वाले आदमी के साथ कठोरता करने में लाभ ही लाभ है” मुंशी बंशीधर के पिता के इस कथन से सरकारी

कर्मचारियों की किस प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया गया है ? - उपर्युक्त दोनों विकल्प सही हैं |

13. वंशीधर के व्यक्तित्व के विषय में अनुचित कथन का चयन कीजिए- इनमें से कोई नहीं |

14. “नमक का दारोगा” में “लडकियाँ हैं, वे घास-फूस की तरह बढती चली जाती हैं” वाक्य समाज में लड़कियों की स्थिति की किस वास्तविकता को प्रकट करता है ?- उपर्युक्त दोनों विकल्प सही हैं |

15. वंशीधर के पिता किसकी अगवानी के लिए दौड़ रहे थे - अलोपादीन की

16. नमक का दारोगा पद को “पीर का मज़ार” कहने में क्या व्यंग्य निहित है? - विकल्प 1 व 2 ही उपयुक्त हैं |

17. नमक का दारोगा के लेखक हैं- - प्रेमचंद

18. प्रेमचंद का जन्म कब और कहाँ हुआ था- - 31 जुलाई 1880
19. नमक का दारोगा की रचना विधा है- - कहानी
20. आदर्शोन्मुख यथार्थवाद का मुकम्मल उदाहरण है- - नमक का दारोगा

मियां नसीरुद्दीन कृष्णा सोबती

उत्तर माला

पठित गद्यांश - 1

1. अ) इसका अभिप्राय यह है कि दिल्ली में राजनीति, साहित्य और कला में हजारों प्रतिभाशाली लोग अपनी प्रतिभा से हलचल बनाए रखते हैं।

2. अ) नानबाई उस व्यक्ति को कहते हैं जो कई तरह की रोटियां बनाने और बेचने का काम करता है।

3. अ) मियाँ नसीरुद्दीन की दुकान जामा मस्जिद के पास मटियामहल के गढ़ैया मुहल्ले में थी।

4. .अ) यहां मियाँ नसीरुद्दीन नामक खानदानी नानबाई का जिक्र हआ है।
5. आ) छप्पन

पठित गद्यांश - 2

1. ई) पंचहजारी अंदाज बड़े सेनापतियों जैसा अंदाज। मुगलों के समय में पाँच हजार सिपाहियों के अधिकारी को पंचहजारी कहते थे। यह ऊँचा पद होता था। नसीरुद्दीन में भी उस पद की तरह गर्व व अकड़ थी।

2. अ) मियाँ नसीरुद्दीन को शक था कि कहीं लेखिका अखबार वाली तो नहीं हैं। वे उन्हें खुराफाती मानते हैं जो खोज करते रहते हैं। इस कारण उन्होंने लेखिका को घूरकर देखा।

3. इ) वे अखबार बनाने वालों के साथ - साथ अखबार पढ़ने वालों को भी निठल्ला मानते हैं। इससे लोगों को कोई फायदा नहीं मिलता।

4. आ) मियाँ नसीरुद्दीन

5. इ) कृष्णा सोबती

पठित गद्यांश - 3

1. ई) मियाँ से जब लेखिका ने पूछा कि आपने नानबाई का काम किससे सीखा तो उन्हें क्रोध आ गया । उन्हें यह प्रश्न ही गलत लगा । वे अपनी आँखें तरेर कर अपनी प्रतिक्रिया जतार हे थे।

2. अ) मियाँ ने नगीना साज़ , आईनासाज़, मीनासाज़, रफूगर, रंगरेज, तेली - तंबोली व्यवसायों का उदाहरण दिया। उन्होंने लेखिका को समझाया कि इन लोगों के पास नानबाई का ज्ञान नहीं है। खानदानी पेशे को अपने बुर्जुगों से ही सीखा जाता है।

3. अ) मियाँ ने नानबाई का काम किया, क्योंकि यह उनका खानदानी पेशा था | इनके पिता व दादा मशहूर नानबाई थे। मियाँ ने भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाया।

4.इ) नानबाई

5.अ) ज्ञान

पठित गद्यांश - 4

1. इ) मियाँ नसीरुद्दीन ने अपने पुरखों के करतबों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने बादशाह को ऐसी चीज खिलाई जो न आग से और न पानी से पकी थी। लेखिका ने जब चीज का नाम पूछा तो उन्होंने बेरुखाई से नाम बताने से इंकार कर दिया।

2. अ) मियाँ से जब अद्भुत चीज के बारे में पूछा गया तो वे सोच में पड़ गए| वास्तव में मियाँ को ऐसी चीज के बारे में पता ही नहीं था। उन्होंने अपने बुजुर्गों की प्रशंसा के लिए यह बात कह दी थी।

3. आ) मियां इस बात का दावा करते हैं कि खानदानी नानबाई कुछ भी पका सकता है।

4. आ) कुएँ में

5. इ) मियाँ नसीरुद्दीन - कृष्णा सोबती

बहुविकल्पी प्रश्न उत्तर

1. ख. कृष्णा सोबती

2. ग. मियाँ नसीरुद्दीन का

3. घ. रोटी बनाने की कला

4. ग. ज़ो अपने पेशे को कला का दर्जा देते हैं

5. क. पटापट की

6. ख. सेवइयों की तैयारी हो रही है

7. घ. छप्पन

8. क. आप से कुछ सवाल पूछने थे?

9. ग. अखबारनवीस

10. क. खोजियों की खुराफात

11. ख,. निठल्ला

12. घ. नानबाई

13. क. अपने वालिद को

14. ग. बरकत शाही

15. क. मियाँ कल्लन

16. घ. नसीरुद्दीन का

17. घ. पालन करना
18. क. बादशाह सलामत
19. ग. चारपाई पर बैठ कर बीड़ी सुलगा रहे थे
20. ग. जो अखबार में काम करने वाला हो
21. क. मीर साहिब को
22. ख. मियां नसीरुद्दीन ने
23. क. मियां नसीरुद्दीन
24. क. 70 साल
25. ख. बब्बन मियां
26. दो रुपये
27. क. उनके चेहरे पर किसी अंधड़ के आसार देख कर
28. क. कारीगर
29. ख. तुनकी
30. क. बीत गया वह जमाना
31. क. तीसरी
32. क. आंखें हमारी तरफ घुमाईं ।
33. क. उन्हीं के स्थान पर आकर बैठ गए

गलता लोहा शेखर जोशी

उत्तर माला :

गद्यांश -1

1. (घ) खेत के किनारे उग आई कांटेदार झाड़ियो को काटने के लिए
2. (ग) पूजा पाठ करना
3. (ख) निष्ठा और संयम के कारण
4. (क) पूजा पाठ
5. (क) पुरोहिताई

गद्यांश -2

1. (क) जातिगत हीनता के कारण
2. (ख) बहुत बड़ा आदमी बनेगा
3. (क) तीसरे दर्जे तक पढ़ पाया
4. (क) मोहन के लिए
5. (घ) खेत में मजदूरी करने से

गद्यांश -3

1. (ख) मास्टर जी का भय
2. (ग) जुबान से प्रहार
3. (क) दोनों का बेंत (दंड) चुनाव का तरीका अलग है
4. (ख) पांच छह दरान्तियाँ दी
5. (ख) धनराम का ऑफर

गद्यांश- 4
1. (ग) घरेलू नौकर
2. (क) घर के कामकाज के कारण
3. (घ) पिता जी को दुःख होगा
4. (क) गृहस्थी की सुविधा असुविधा के कारण
5. (ख) स्वार्थी और कंजूस

गद्यांश-5
1. (ग) लोहा गोलाई में मोड़ रहा था
2. (ख) निहाई में सिरा न फंसने के कारण
3. (घ) उसकी सहायता करके
4. (ग) सधा हुआ
5. (ग) हवा फूँक कर आग तेज़ करने का

उत्तर ; -
1उत्तर: शेखर जोशी
2 उत्तर : 1932 में
3.उत्तर : उत्तराखंड
4 उत्तर : अल्मोड़ा के प्राथमिक विद्यालय में
5 उत्तर : परंपरागत ढंग से अलग
6 उत्तर : नई कहानी आंदोलन के
7 उत्तर : दाज्यू
8 उत्तर : दंपत्ति
9 उत्तर : शब्द चित्र संग्रह
10 उत्तर : दाज्यू
11 उत्तर : परिश्रमी वर्ग पर
12 उत्तर : शिल्पकार टोले की ओर।
13 उत्तर : हथौड़ी की खनक
14 उत्तर : कांटेदार झाड़ियों को साफ करने के लिए

15 उत्तर : पुरोहिताई

16 उत्तर : रुद्री पाठ

17 उत्तर : दो मील की सीधी चढ़ाई

18 उत्तर : खेती के काम में

19 उत्तर : खाली कनस्तर

20 उत्तर : मास्टर त्रिलोक।

21 उत्तर : गोपाल सिंह।

22 उत्तर : शोर शराबा करना

23 उत्तर : सहम जाना।

24 उत्तर : हे प्रभु आनंद दाता ज्ञान हमको दीजिए।

25 उत्तर : मोहन

26 उत्तर : जातिगत हीनता के कारण

27 उत्तर : गायन

28 उत्तर : दस।

29 उत्तर : स्नेह और आदर ।

30 उत्तर : तीन दर्जे तक।

31 उत्तर : तेरह

32 उत्तर नाले से।

33 उत्तर : संटी की

34 उत्तर : सजा पाने वाले को अपना हथियार स्वयं जुटाना होता।

35 उत्तर : मास्टर जी की संतुष्टि के आधार पर।

36 उत्तर : जुबान का।

37 उत्तर : विद्या का ताप

38 उत्तर : पांच छह दरांतिया

39 उत्तर : गंगा राम

40 उत्तर : घन ।

41 उत्तर : दंड विधान का

42 उत्तर : धौंकनी

43 उत्तर : धनराम का आफर

44 उत्तर : वंशीधर तिवारी।

45 उत्तर : पुरोहिताई ।

46 उत्तर : आधा पेट भर पाते थे

47 उत्तर : चार मील।

48 उत्तर : बरसाती नदी।

49 उत्तर : मन में मास्टर का डर

50 उत्तर : छात्रवृत्ति

51 उत्तर : यजमान के घर में

52 उत्तर : रमेश

53 उत्तर : लखनऊ में

54 उत्तर : लखनऊ

55 उत्तर : चाची और भाभी

56 उत्तर : घरेलू नौकर

57 उत्तर : परिस्थितियों से समझौता

58 उत्तर : एक औसत दर्जे के स्कूल में

59 उत्तर : इससे उनको दुख पहुंचता

60 उत्तर : आठवीं कक्षा ।

61 उत्तर : मोहन कोई काम सीख ले

62 उत्तर : एक दिन बड़ा अफसर बनेगा

63 उत्तर : मोहन सेक्रेटेरिएट में नियुक्ति हो गया

64 उत्तर : एक घास का तिनका दांत में दबाया

65 उत्तर : धनराम के

66 उत्तर : शिल्पकार टोले में

67 उत्तर : धनराम की काम में सहायता की।

68 उत्तर : आश्चर्य।

69 उत्तर : सृजक की

70 उत्तर : सहज सरल

कबीर के पद उत्तरमाला

1. (ख) भक्तिकाल

2. (ग) निर्गुण काव्यधारा ज्ञानाश्रयी शाखा

3.(ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

4. (ख) अनुभव से प्राप्त

5. (घ) साखी ,सबद , रमैनी

6. (ख) 1398 ई . वाराणसी

7.(ग) 1518 ई , मगहर

पठित पदयांश -1

1. (ख) ईश्वर को

2.(ग) ईश्वर को अलग अलग बताने वाले

3.क) पंच तत्त्वों से

4. (ख) ईश्वर की अद्वैतता का

5.(ग) आत्मा -परमात्मा को अलग अलग मानते है

पठित पद्यांश - 2

1.क) शरीर नश्वर है और आत्मा अनश्वर है

2.(ख) सबके ह्रदय में

3.(ख) माया पर

4.ख) उन्होंने ईश्वर को पहचान लिया है तथा उसकी भक्ति में लीन हो गए हैं

5.ग) सधुक्कड़ी भाषा

पठित पद्यांश - 3

1. क)पागल

2.क) सच बताने वाले को मारते हैं

3.(ख) आत्मचिंतन

4.(ग) शिष्य

5. (घ) ऊपर दिए गए सभी

पठित पद्यांश - 4

1. (ग) ईश्वर

2. (ख) आत्मा के रहस्य को

3.(ग) अंतकाल पछताता है

4. (क) विद्रोह का

5. (ख) सहज साधना से

शिल्प सौन्दर्य पर आधारित प्रश्न

पठित पद्यांश -1

1. (क) सधुक्कड़ी

2. (ग) यमक

3. (क) अनुप्रास

4. (ख) उदाहरण

5.(ग) भक्ति रस

पठित पद्यांश -2

1. (क) संबोधन शैली

2.(ख) अनुप्रास

3.(ग) अनुप्रास

पठित पद्यांश -3

1. (क) पुनरुक्ति प्रकाश

2. (क) व्यंग्यात्मकता

3.ग) प्रसाद

4. (ख) अनुप्रास

5.(क) सधुक्कड़ी

मीरा के पद

पठित पद्यांश -1

1.(ख) मीरा बाई

2.(क) कृष्ण

3.(घ) पति के रूप में

4. (ख) मर्यादा

5.(ग) संतो के साथ बैठकर भजन करने से

पठित पद्यांश -2

1.(ग) दूध की मथनियाँ विलो रही है

2.(क) कृष्ण

3.(ग) नश्वर संसार के लिए

9.(क) भगत

10.(ख) सांसारिक मोह - माया में फंसे जगत को

पठित पद्यांश -3

1.(क) नृत्य

2.(घ) नारायण (श्रीकृष्ण)

3.(ग) लोक लाज छोड़कर संतो के साथ श्रीकृष्ण के भजन गाती थी

4.(क) विष का प्याला भेजा था और मीरा ने हंसते हुए पी लिया

5.(ग) परिवार

शिल्प सौंदर्य संबंधी पद्यांश -1

1.(क)रूपक

2.(घ) पुनरुक्ति प्रकाश

3.(क) प्रश्न अलंकार

4.(ग) भक्ति

5.(क) शांत

शिल्प सौंदर्य संबंधी पद्यांश -2

1.(क) रूपक

2.(क) अनुप्रास

3.(क) श्रीकृष्ण

4.(ख) असाररूपी संसार

5.(ख) श्रीकृष्ण के लिए

शिल्प सौंदर्य संबंधी पद्यांश -3

1.(ख) अनुप्रास

2.(क) शांत रस

3.(ग) अ

4.(ख) ब्रज व राजस्थानी

5.(क) बहुव्रीही

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1.(ख) 1498

2.(क) कुड़की गाँव, मारवाड़ रियासत

3.नरसी जी रो मायरो, गीत गोविन्द

4.(ख) भक्तिकाल

5.(ख) सगुण भक्तिधारा

6.(क)संत रविदास

7.(क) आराध्य एवं पति के रूप में

8.(घ) रणछोड़ दास के मंदिर में

9.(घ) सादगी और सरलता

10.(ग) राजस्थानी मिश्रित ब्रज

11.(घ) दर्द

12.(ग) सहज भक्ति भाव से

13.(ग) रतनसिंह

14.(क) महाराणा भोजराज

15.(घ) 1546

वे आँखें

वे आँखें

पठित पदयांश 1

1.(घ) उपर्युक्त सभी

2.(घ) किसान की पीड़ा सम्मुख लाकर उसमें सुधार करने हेतु

3.(क) संसार ने हमेशा उसकी उपेक्षा की है 4.(क) स्वाधीनता

5.(ग) किनारा

पठित पदयांश 2

1.(घ) किसान का बेटा

2.(क) आँखों के सामने दृश्य घूमना

3. (ख) किसान के लहलहाते खेत

4.(ग) पुनरूक्ति प्रकाश अलंकार

5.(क) कारकुनों

पठित पदयांश 3

1.(ग) अत्यधिक पीड़ा होना और दृश्य घूमना

2.(क) पशु की मालिक के प्रति स्नेह की भावना 3.(घ) उपरोक्त सभी

4.(क)सुख की खेती

5.(ख) पुनरूक्ति प्रकाश अलंकार

कविता से संबंधित बहुविकल्पीय प्रश्न

1.(ख) स्वतंत्रता से पूर्व किसानों की दुर्दशा का 2.(घ) उपरोक्त सभी

3.(घ) उपरोक्त सभी

4.(घ) उपरोक्त सभी

5.(क) वह महाजनों से लिए हुए ऋण को चुका नहीं पाया

6. (घ) अतीत की स्मृति

7.(ख) प्रकृति के

8.(ग) प्रगतिवादी

9. (ग) बैल

10.(ख) मंझधार में छोड़ गया है

11. (ख) सुखमय जीवन

12.(घ) पति घातिन

13.(घ) कवि द्वारा प्रकृति का सुन्दर चित्रण

14.(ग) कारकुनों

15.(क) गाय को

16.(ख) दवा दारु का अभाव

17.(क) नीलाम हुई बैलों की जोड़ी

18.(क) उपमा

19.(घ) पुनरुक्ति प्रकाश

20.(क) उपमा

वितान भाग -1

भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर

1. (ख) श्रृंगार

2. (ख) ऊंची

3. (ग) अकारण चिलवाना

4. (क) लता का करुण रस में गाना

5. (ख) गुण

6. (क) शास्त्रीय और चित्रपट

7. (ख) गंभीरता

8. (घ) उपर्युक्त 'ख' और 'ग' दोनों

9. (क) आधे

10. (ग) उपर्युक्त 'क' और 'ख'दोनों

11. (क) संतुष्ट

12. (घ) उपर्युक्त 'ख' और 'ग' दोनों

13. (घ) उपर्युक्त सभी

14. (क) धूप का कौतुक

15. (घ) उपर्युक्त सभी

16. क. दीनानाथ मंगेशकर

17.ख. नूरजहां का

18. ग. सितार

19.क. कान सुधार दिए हैं

20.ख. लता मंगेशकर के कारण

21.क. लता के गानों का प्रभाव

22.क. स्वर कोकिला

23.ग. लता मंगेशकर

24.ख.16

25.क. गाने का ऐसा अंदाज जो एक आम आदमी को भी भाव विभोर कर दे

26.ग.3

27.क. द्रुत लय

28.ख. नहीं

29.ख. लता मंगेशकर

30.क. शताब्दियों में शायद एक ही

शब्दकोश, संदर्भ ग्रंथों की उपयोगी विधि और परिचय

प्र 1- ग - हिंदी वर्णमाला में संयुक्ताक्षर वर्णमाला के अंत में जबकि शब्द उन वर्णों के अन्त्याक्षर में आते हैं।

प्र 2- घ- कुशाग्र

प्र 3- ग-कंपन

प्र 4- घ-'कौ' उपखण्ड के बाद

प्र 5- घ-विज्ञान

प्र 6- ग-न्यौता

प्र 7- ख-ब्याज

प्र 8- क-क्षम्य

प्र 9- ख-क्रुद्ध

प्र 10- घ-उपर्युक्त सभी

प्र 11- क-व्यवस्थित

प्र 12- ग-शब्दों का खज़ाना

प्र 13- क-आँकड़ा

प्र 14- ख-नहीं

प्र 15- क-हाँ

प्र 16- घ-तिब्बती

प्र 17- ख-फ़ारसी

प्र 18- ग-हाँ

प्र 19-क- क् + ष

प्र 20-घ- चूहा

प्र 21-क- प्रजा

प्र 22-लंका

प्र 23 - क-क

प्र 24- ख- च वर्ग के वर्णों में

प्र 25- ख- कथन

प्र 26 - घ- श्रमिक

प्र 27- क- चक्कू

प्र 28-ग- चाँद,चादर, चौधरी

प्र 29-ग- कङ्कण, किङ्किणी, केतना

प्र 30- ग- विजय,विज्ञान,विमल

प्र 31-ग-आँख

प्र 32-ख-'त' खंड में

प्र 33- ग-ढोलक

प्र 34-घ-'ज' खंड में

प्र 35-ग-'श' खंड में

प्र 36- ख-ऊँट

प्र 37- ग-चंद्रिकांबुज

प्र 38- घ-संस्कृत का शब्द (तत्सम) होने का

प्र 39- ग-यह इस पृष्ठ का पहला शब्द होता है।

प्र 40- घ- उद्योग

प्र 41-घ- तालिका

प्र 42- ख-'द' खंड में

प्र43- ग- चयित

प्र44- क-पवित्र

प्र45- ग-जापानी

प्र46-घ- बहुवचन

प्र47-घ-प्राणी

प्र48- घ-कूटभाषा

प्र49- क-देर

प्र50- घ-जलजात